जांच शुरू संदिग्धों से पूछताछ जारी, एक माह में दो तेंदुओं की मौत से वन्यजीव सुरक्षा पर उठे सवाल

करंट की चपेट में आने से तेंदुए की मौत

अनूपपुर, नवभारत 8 जनवरी। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट जैतहरी में बुधवार शाम शिकार के उद्देश्य से लगाए गए करंट की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और कार्रवाई प्रारंभ की गई। जानकारी के अनुसार जैतहरी-गोबरी मार्ग के समीप शिकारियों द्वारा जंगली सूअर के शिकार के लिए तार में करंट फैलाया गया था। दुर्भाग्यवश उसी तार की चपेट में आने से तेंदुए की मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार को तेंदुए के शव का पोस्टमॉर्टम कराए जाने के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

डॉग स्क्वॉड की सहायता से संदिग्धों की पहचान की जा रही

मामले की जांच के दौरान शहडोल से बुलाए गए डॉग स्क्वॉड की सहायता से संदिग्धों की पहचान की जा रही है। मौके से करंट लगा तार भी जब्त किए जाने की जानकारी मिली है। कुछ संदिग्धों से पूछताछ जारी है। तेंदुए के शव का पोस्टमॉर्टम बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की टीम के डॉ. राजेश तोमर एवं जैतहरी के पशु चिकित्सक डॉ. सचिन समैया द्वारा किया गया।

अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया अंतिम संस्कार

इसके बाद सीसीएफ एमपी सिंह, डीएफओ अनूपपुर विपिन कुमार पटेल, एसडीओ वन डॉ. लाल सुधाकर सिंह, वन परिक्षेत्र अधिकारी विवेक मिश्रा, तहसीलदार रमाकांत तिवारी, वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल, नगर परिषद के जनप्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया।

वनविभाग की कार्यप्रणाली उठने लगे सवाल

गौरतलब है कि बीते एक माह में क्षेत्र में यह दूसरी तेंदुए की मौत है, जिससे वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था और जैतहरी वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वन विभाग ने दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

घरेलू विवाद पर पति ने की आत्महत्या

पत्नी ने नया लोन लेने से किया था इनकार, इसके बाद पति ने उठाया आत्मघाती कदम

अनूपपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के ग्राम अमहाटोला छिल्पा में गुरुवार को घरेलू विवाद के बाद एक 26 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कर्ज को लेकर हुए झगड़े के बाद युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। फुनगा चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

फुनगा चौकी प्रभारी सोन सिंह परस्ते के अनुसार मृतक की पहचान संजय बैगा के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह खाना खाते समय संजय ने अपनी पत्नी अनीता से किसी समूह से नया लोन लेने की बात कही थी। इस पर पत्नी ने मना करते हुए कहा कि पहले से लिया गया कर्ज अभी तक चुकाया नहीं गया है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद संजय गुस्से में घर के पीछे बाड़ी की ओर चला गया, जहां उसने मवेशी बांधने वाली रस्सी से फांसी लगा ली।

पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है

कुछ समय बाद जब पत्नी अनीता ने उसे फंदे पर लटका देखा तो उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक संजय की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू

- लंबे समय से अनुपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को अंतिम सूचना जारी

अनूपपुर, नवभारत। जिले में लंबे समय से अनुपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के विरुद्ध महिला एवं बाल विकास विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, अनूपपुर द्वारा लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता देवती गौड़ (आंगनबाड़ी केंद्र लमना टोला) जुलाई 2025 से लगातार अनुपस्थित पाई गई हैं, वहीं सहायिका इतवारिया (आंगनबाड़ी केंद्र डूमरकछार) वर्ष 2023 से निरंतर अनियमित उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की कार्यवाही शुरू कर दी है।

सेवा शर्तों का किया जा रहा उल्लंघन

परियोजना अधिकारी द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि कुछ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं बिना किसी पूर्व सूचना के लंबे समय से अपने शासकीय कर्तव्यों से अनुपस्थित हैं, जो शासन के निर्देशों एवं सेवा शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। विभाग ने संबंधित कर्मचारियों को 15 जनवरी तक कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है।

निर्धारित तिथि तक उपस्थित नहीं होने पर सेवा समाप्त की जाएगी

सूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित तिथि तक उपस्थित नही होने की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्ति की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं संबंधित कर्मचारियों की होगी। विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बच्चों एवं महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को प्रभावित करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर करे सुरक्षात्मक उपाय : कलेक्टर

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधारात्मक कार्यों की प्रगति की विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में जहां सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन ब्लैक स्पॉट्स को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर वहां तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं, जिससे भविष्य में दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

धर्मांतरण के खिलाफ किया जा रहा जागरुक : संत गोपाल

अनूपपुर, नवभारत 8 जनवरी। मां नर्मदा के अनन्य उपासक परम तपस्वी संत गोपाल चैतन्य जी महाराज 111 नर्मदा भक्तों के साथ मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा करते हुए गुरुवार को नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक पहुंचे। यहां संध्या काल में रामघाट पर विधिविधान से पूजा-अर्चना, दीप आरती एवं भावपूर्ण वंदन किया गया।

शुक्रवार की सुबह माई की बगिया में तट परिवर्तन एवं पूजन के पश्चात यात्रा दल आगे की परिक्रमा के लिए प्रस्थान करेगा। उल्लेखनीय है कि संत गोपाल चैतन्य जी महाराज ने 25 अक्टूबर 2025 को मध्य प्रदेश के सिद्ध तीर्थ ओंकारेश्वर से 111 नर्मदा भक्तों के साथ मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा आरंभ की थी, जो महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 15 फरवरी 2026 को ओंकारेश्वर-छनेरा में विधिवत रूप से पूर्ण होगी।

यात्रा सनातन संस्कृति का चलायमान यज्ञ बन गई

भक्ति, वैराग्य और साधना से ओत-प्रोत यह नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का चलायमान यज्ञ बन गई है। परिक्रमा के दौरान 111 श्रद्धालु अखंड हरि नाम संकीर्तन करते हुए मां नर्मदा के तट-तट पर श्रद्धा अर्पित कर रहे हैं। इस दिव्य यात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा एवं बालिकाएं समान भाव से सहभागी हैं, जो भीषण शीत लहर के बीच भी ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते भक्ति रस में सराबोर होकर आगे बढ़ रहे हैं।

युवाओं को सदाचार के मार्ग पर चलने कर रहे प्रेरित

इस अवसर पर संत गोपाल चैतन्य महाराज ने परिक्रमा के आध्यात्मिक संकल्पों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह यात्रा मां नर्मदा के पावन जल की शुद्धता एवं अक्षुण्ण, धर्म की पुन: प्रतिष्ठा, सनातन संस्कृति के संरक्षण, राष्ट्रहित एवं देशप्रेम की भावना, युवाओं को सदाचार व साधना के मार्ग पर प्रेरित करने, धर्मांतरण जैसी कुप्रथा के विरुद्ध जन-जागरण तथा नर्मदा तटों पर पौधा रोपण जैसे पुण्य उद्देश्यों के साथ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक जन-जन के हृदय में भगवत नाम का दीप प्रज्वलित नहीं होगा, तब तक धर्म की रक्षा संभव नहीं।

एक नजर में

जमुना कॉलरी ऑल इंडिया टाइगर्स कप ओपन कराटे 10 से

अनूपपुर, नवभारत। जिले के जमुना कॉलरी स्थित सामुदायिक भवन में 10 एवं 11 जनवरी को ऑल इंडिया टाइगर्स कप ओपन कराटे चैम्पियनशिप-26 का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल टाईगर्स फुल कॉन्टैक्ट कराटे फेडरेशन एवं इंटरनेशनल पिसुमकु शूटोकन कराटे-डू फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी भाग लेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नपाध्यसक्ष पसान रामअवध सिंह, क्षेत्रीय महाप्रबंधक जमुना कोतमा क्षेत्र प्रभाकर राम त्रिपाठी, रीजनल मैनेजर विकास मैत्री कोतमा सिस्टर मैरी टी.के., मैनेजर सेंट जोसेफ स्कूल कोतमा सिस्टर आईरिन लोबो, प्रिंसिपल सेंट जोसेफ स्कूल कोतमा सिस्टर सीमा मिंज, मंडल अध्यक्ष पसान धीरेन्द्र सिंह एवं थाना प्रभारी भालूमाड़ा विपुल शुक्ला उपस्थित रहेंगे।

सावन बने कांग्रेस खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

अनूपपुर, नवभारत। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सावन अग्रवाल को कांग्रेस खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ का अनूपपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर नियुक्ति के बाद उन्होंने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। सावन अग्रवाल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले, खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नतीम खान, प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह चौहान, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी तथा कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मयंक त्रिपाठी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। नियुक्ति के बाद सावन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश से मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

कृषि तकनीक से बदली किसान तकदीर

अनूपपुर, नवभारत। जिले के वेंकटनगर ग्राम के प्रगतिशील कृषक पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया ने आधुनिक कृषि तकनीक और सरकारी योजनाओं का प्रभावी उपयोग कर यह साबित कर दिया है कि यदि परिश्रम को वैज्ञानिक पद्धतियों का साथ मिल जाए तो खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का मजबूत माध्यम बन सकती है। उद्यानिकी विभाग के सतत मार्गदर्शन एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत प्राप्त ड्रिप इरिगेशन प्रणाली की सहायता से उन्होंने 13 एकड़ भूमि पर टमाटर की वैज्ञानिक पद्धति से खेती प्रारंभ की। ड्रिप सिंचाई के उपयोग से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हुआ, जिससे फसल की गुणवत्ता और पैदावार दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

20 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो चुकी

कृषक भदौरिया की उपज आज अनूपपुर, वेंकटनगर, पेंड्रा, चिरमिरी, जबलपुर के साथ-साथ पश्चिम बंगाल, इलाहाबाद और झारखंड जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक व्यापारियों के माध्यम से पहुंच रही है। अप्रैल माह से निरंतर उत्पादन होने के कारण अब तक उन्हें लगभग 20 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो चुकी है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन पर कार्यवाही से हड़कम्प

नपा ने 10 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की

अनूपपुर, नवभारत 8 जनवरी। नगर पालिका परिषद अनूपपुर एवं शहडोल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने शहर में प्रतिबंधित पॉलिथीन के विरुद्ध सघन छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अमानक व प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई तथा लगभग 10 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की गई।

अचानक की गई इस कार्रवाई से शहर के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। टीम ने शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में दुकानों की जांच की और जहां भी प्रतिबंधित पॉलिथीन पाई गई, वहां नियमानुसार कार्रवाई की गई। सब्जी विक्रेता रिंकू केशरवानी ने बताया कि उनके ऊपर नगर पालिका द्वारा 500 का चालान किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई तो की जा रही है, लेकिन दुकानदारों को कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बताया जा रहा कि पॉलिथीन के स्थान पर ग्राहकों को क्या दिया जाए। उनका कहना है कि कपड़े के थैले आसानी से उपलब्ध नहीं हैं और जो उपलब्ध हैं, वे महंगे होने के कारण ग्राहक खरीदने को तैयार नहीं होते।

नगर पालिका पहले वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराएं : दुकानदार

दुकानदारों ने मांग की है कि पहले नगर पालिका द्वारा वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराए जाएं, व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और आम जनता को पॉलिथीन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जाए। छोटे दुकानदारों का कहना है कि पॉलिथीन थोक में गुजरात, सागर और कटनी जैसे स्थानों से आती है, जहां से होलसेलर छोटे व्यापारियों को सप्लाई करते हैं। ऐसे में केवल छोटे दुकानदारों पर ही कार्रवाई किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

एआई के प्रभावी उपयोग की दी गई जानकारी

अनूपपुर, नवभारत 8 जनवरी। नीति आयोग नई दिल्ली द्वारा गुरुवार को आकांक्षी विकासखंडों में आधुनिकता के विस्तार के उद्देश्य से वर्चुअल माध्यम से एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, एबीपी फेलो, उपसंचालक कृषि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम (एबीपी) के अंतर्गत नवाचार, तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यशाला के दौरान नीति आयोग द्वारा कृषि, आजीविका उन्नयन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं सुशासन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों तथा नीति फ्रंटियर टेक पहल के अंतर्गत एआई आधारित समाधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर बताया गया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की एआई आधारित श्रेष्ठ प्रथाएं नीति आयोग के नीति फ्रंटियर टेक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

संभागायुक्त ने की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा

नवभारत,जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने बुधवार को विकास विभागों से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की वर्चुअल समीक्षा की। बैठक में सामाजिक न्याय, जल संसाधन, स्कूल शिक्षा, ट्राइबल, स्वास्थ्य और कृषि विभागों के लंबित मामलों पर चर्चा की गई।

केवई नदी बचाने कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान

- अडानी समूह के खिलाफ फूटा आक्रोश, जल-जंगल-जमीन पर खतरे का आरोप

जमुना-कोतमा नवभारत 8 जनवरी। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत परोड़ सहित आसपास के गांवों के किसान और ग्रामीण सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और द्वारा छतई क्षेत्र में स्थापित किए जा रहे 3200 मेगावाट क्षमता के पावर प्लांट के विरोध में ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने आरोप लगाया कि परियोजना के लिए केवई नदी पर बनाए जा रहे स्टॉप डैम, लगातार हो रही हेवी ब्लास्टिंग और संभावित प्रदूषण से क्षेत्र का भविष्य गहरे जल संकट और स्वास्थ्य आपदा की ओर धकेला जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पावर प्लांट क्षेत्र में की जा रही भारी ब्लास्टिंग से घरों में दरारें पड़ रही हैं, नींव कमजोर हो रही है और लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं।

स्टॉप डैम बनाकर प्लांट के लिए पानी रोका जा रहा

सबसे गंभीर चिंता केवई नदी को लेकर जताई गई। किसानों का कहना है कि नदी पर मजबूत स्टॉप डैम बनाकर प्लांट के लिए पानी रोका जा रहा है, जिससे कोतमा, जमुना, भालूमाड़ा, बिजुरी सहित पूरे कोयलांचल की नगर पालिकाएं और ग्राम पंचायतें भविष्य में पेयजल के लिए तरस जाएंगी। वर्तमान में यही नदी पंप हाउस और फिल्टर प्लांट के माध्यम से हजारों लोगों को पानी उपलब्ध कराती है। नदी का प्रवाह रुका तो गंभीर स्थिति बन जाएगी।

जेडईडी एवं आरएएमपी जागरूकता कार्यशाला आयोजित

अनूपपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश शासन की आरएएमपी योजना के अंतर्गत जिला अनूपपुर के औद्योगिक क्षेत्र के एमएसएमई निर्माण उद्योगों के लिए जेडईडी प्रमाणन एवं आरएएमपी योजना पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला उद्योग एवं व्यापार कार्यालय के सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें महाप्रबंधक उद्योग एवं व्यापार केंद्र श्री दिनेश मर्सकोले विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन आरएएमपी योजना की राज्य नोडल एजेंसी मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान आरएएमपी कंसल्टेंट ने योजना के उद्देश्य, एमएसएमई उद्योगों को मिलने वाले लाभ तथा प्रदेश में उद्योगों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी।

रोष संयुक्त यूनियन व सुरक्षा समिति के निरीक्षण में खुलासा, कई वर्षों तक संभव है कोयला उत्पादन, कर्मचारियों का भविष्य खतरे में

मीरा खदान बंद करने की साजिश का पर्दाफाश

जमुना-कोतमा नवभारत 8 जनवरी। जमुना कोतमा क्षेत्र की मीरा भूमिगत खदान को प्रबंधन द्वारा बंद किए जाने की कथित साजिश को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है।

विगत कुछ दिनों से खदान प्रबंधन द्वारा मीरा खदान को बंद करने की कोशिशों के बीच 7 जनवरी को संयुक्त यूनियन के आह्वान पर क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों ने खदान का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में सभी संगठनों के प्रतिनिधि, खान प्रबंधन, कॉलरी सर्वेयर, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी शामिल रहे। निरीक्षण के प्रथम चरण में खान प्रबंधक कार्यालय में मीरा खदान के तीनों सीम (सीम प्लान) का गहन अवलोकन किया गया।

प्रबंधन निजी ठेकेदार को सौंपने पर आमादा

इसके बाद समिति द्वारा खदान के भूमिगत हिस्से का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत यह निष्कर्ष सामने आया कि खदान में आवश्यक संयंत्र, पर्याप्त मैनपावर तथा बेल्ट प्रणाली मौजूद है और आने वाले कई वर्षों तक लाखों टन कोयले का सुरक्षित उत्पादन किया जा सकता है। इसके बावजूद प्रबंधन खदान को निजी ठेकेदार को सौंपने पर आमादा है।

पलायन के लिए मजबूर होना पड़ेगा

संयुक्त यूनियन का आरोप है कि इस निजीकरण से क्षेत्र के नव-भर्ती युवक, स्थानीय युवा एवं मीरा खदान के वर्तमान कर्मचारियों का भविष्य गंभीर संकट में पड़ जाएगा। निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि खदानों को इसी तरह निजी हाथों में सौंपा गया, तो आने वाले समय में मजदूरों को जमुना-कोतमा क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

कंपनी के दीर्घकालीन हितों की रक्षा जरुरी

उन्होंने यह भी आह्वान किया कि मीरा खदान के साथ-साथ जमुना यूजीआरओ को पुन: संचालित कराने के लिए सभी मजदूर एकजुट हों, ताकि मजदूर हितों, क्षेत्र और कंपनी के दीर्घकालीन हितों की रक्षा की जा सके।

प्रबंधन के खिलाफ एकजुट संघर्ष करें : शुक्ला

इस मौके पर कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) के जमुना-कोतमा क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि वे स्वयं सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उन्हें क्षेत्र में नई भर्ती होने वाले युवाओं और मजदूरों के भविष्य की गहरी चिंता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे संगठित होकर मीरा खदान के निरंतर संचालन के लिए प्रबंधन के खिलाफ एकजुट संघर्ष करें तथा संयुक्त मोर्चा और संयुक्त श्रम संगठनों को मजबूत सहयोग दें।